जो सबमें रमे और सबको खुद में रमाए वो हैं श्रीराम

अवधपुरी गौरीघाट में 1419वीं रामकथा सुनाते हुए जगदगुरु रामभद्राचार्य जी ने की राम जनम की व्याख्या

जबलपुर। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म सिर्फ विप्र-धेनु, सुर-संत हित के लिए नहीं है, उनका जन्म पूरे जगत के मंगल के लिए है। श्रीरामचरित मानस में गोस्वामी तुलसी दास जी ने 'राम सत्यसंध पालक श्रुति श्रेतू-राम जनमु जग मंगल हेतू' चौपाई में इसकी व्याख्या भी की है। इस आशय के मंगल वचन पद्म विभूषण, रामानंदाचार्य जगदगुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने आयुर्वेद कॉलेज मैदान गौरीघाट स्थित अवधपुरी में नौ दिवसीय श्रीराम कथा के मंगलाचरण में कहे।श्रीराम जनम के मांगल्य को अनेक उद्धरणों के माध्मम से बताते हुए महाराजश्री ने कहा कि जगत में सब कुछ मंगल हो, इस कारण रामजी का जन्म हुआ है। उन्होंने मानस चौपाई 'चिदानंद मय देह तुम्हारी' के माध्यम से भगवान के प्रकट होने संबंधी दिव्यता का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान में विकार नहीं होता। निज इच्छा निर्मित तनु में निर्मित का अर्थ उन्होंने प्रकटित बताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने भक्तों की इच्छा से वसीभूत होकर अपने शरीर को प्रकट किया। वस्तुतः जगत में जितने लोग और जीव हैं, सभी का मंगल करने के लिए राम का जन्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम माया, तीनों गुण और गो यानी इंद्रिया से परे हैं। उन्होंने कहा कि रावण ने जगत का मंगल जब समाप्त कर दिया, सब कुछ जगत में अमंगल हो रहा था, तब भगवान का जन्म हुआ।

जगत की वासना खंडित करती हैं नर्मदा

मां नर्मदा की निर्मलता और श्रीराम की सुंदरता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि ये सारा संसार जानता है कि नर्मदा ऐसी महारानी नदी हैं कि किसी में मोहित नहीं होती। नर्मदा का अर्थ है नर्माणि। निर्मलता उनकी पहचान है। वस्तुतः जो जगत की वासना को खंडित कर दे उसे कहते हैं नर्मदा। समुद्र से भी इनका कोई संपर्क नहीं। पर रामजी इतने सुंदर हैं, कि इनको देखकर नर्मदाजी भी मोहित हो गईं। नर्मदा ने कहा मेरे तट पर आपको कुटी बनानी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा कि रामजी के चरित्र का जादू ही ऐसा है कि कोई कितना भी कोई दुष्ट हो, वो मोहित हो ही जाता है। उन्होंने कहा कि जो सबको खुद में रमाए और खुद सबमें रमें वो हैं श्रीराम।

राम को समझने चाहिए आठ सिद्धांत

महाराजश्री ने कहा कि परमात्मा श्रीराम को समझने के लिए आठ सिद्धांत चाहिए। ये हैं, व्याकरण उपमाना कोष, आप्तवाक्य व्यवहार, वाक्य शेष, विव्रत्ति और सानिध्य। इन आठ सिद्धांतों के आधार पर हम सिद्ध पदों के अर्थ का निर्धारण करते हैं। वशिष्ठ जी ने श्रीभरत को अयोध्या कांड में बताते हुए कहा कि राम शब्द सिद्ध पद है। हमने इसे नहीं बनाया, अनादि काल से अपौरुषेय राम शब्द की व्याख्या कर रहे हैं। रा का अर्थ है देना और म का अर्थ हैं मंगल, तो जो सबको सदा मंगल ही देते रहते हैं उनका नाम है राम। तभी उनके चरित का गायन मंगल भवन अमंगल हारी है। महाराज श्री ने गाइये गणपति जगवंदन, शंकर सुमन भवानी नंदन... स्तुति से कथा का श्रीगणेश किया। उनकी सरस मृदुल मीठी वाणी से गणपति स्तुति सुन श्रोता भाव विभोर हो गए। इसके उपरांत उन्होंने नीलांभुजग श्यामल कोमलांगं... नमामि रामं रघुवंश नाथम स्तुति से अपने आराध्य भगवान श्रीराम का स्मरण किया और फिर श्रीगुरु चरण सरोज रज... कहते हुए गुरु वंदन किया।

मानस को समझने संस्कृत आवश्यक

महाराजश्री ने कहा कि मानस को समझने के लिए संस्कृत पढ़ना आवश्यक है। व्याकरण न समझने के कारण राम के उदात्त चरित के अर्थ का भी अनर्थ हो जाता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत का प्रसार-प्रचार और विस्तारित हो, इसके लिए वे चित्रकूट में संस्कृत संस्कृति गुरुकुलम की स्थापन कर रहे हैं। इसका भवन तैयार है, जिसका शुभारंभ वे आगामी 14 जनवरी को करेंगे। इससे पूर्व वे 6 माह के अज्ञात वास में रहकर चिंतन करेंगे। उन्होंने बताया कि भारतीय वैदिक संस्कृति की प्रत्येक विधा को इस गुरुकुल में पढ़ाया जाएगा। हम अपने छहो दर्शन, साहित्य न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांशा और मानसजी, भागवतजी इस गुरुकुल में पढ़ाएंगे। यही नहीं संस्कृत के साथ विद्यार्थियों को अंग्रेजी का भी अच्छा अभ्यास कराएंगे, ताकि बटुक विदेशों में जाकर भारतीय वैदिक संस्कृति का प्रचार कर सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए संस्कारधानी से मुझे बहुत सहयोग चाहिए।

संतों का मिला सानिध्य

श्रीराम कथा में जगद्गुरु भगवान का पूज्य संत सुखानंद द्वाराचार्य जगद्गुरु स्वामी राघवदेवाचार्य महाराज, आचार्य रामचंद्र दास युवराज, दादा पगलानंद महाराज, गिरिजानंद महाराज, स्वामी रामबहादुर महाराज,चंद्रशेखरानंद महाराज, योगी राजेश दास, स्वामी सुरेन्द्र दास, का सानिध्य रहा।

कलश शोभायात्रा ने रचा इतिहास

कथा के पूर्व समरसता सेवा संगठन की 'नर्मदा कलश यात्रा' ने इतिहास रच दिया। समरसता सेवा संगठन अपने आयोजनों के लिए तीन सालों से प्रशंसा का पात्र रहा है। कजलियां-रंगपंचमी की तरह 'नर्मदा कलश यात्रा' ने भी भव्यता-दिव्यता के कीर्तिमान रचे। नर्मदातट के गौरीघाट स्थित नावघाट में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां नर्मदा का पूजन-अनुष्ठान और अभिषेक किया गया। इसके उपरांत बाजे-गाजे के साथ नर्मदा कलश यात्रा अवधपुरी स्थित कथा स्थल के लिए रवाना हुई। यात्रा में 15 से अधिक झांकियां थीं। बैंड-धमाल-ढोल के अलावा बड़ी श्रद्धा के साथ 'नर्मदा कलश' की झांकी शोभायमान थी। भक्त मंडली द्वारा मधुर ध्वनि से संकीर्तन किया गया। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ, राम दरबार, निषाद प्रसंग, शबरी प्रसंग की चलित झांकी के सबने दर्शन किए। महाराजश्री कथाव्यास जगदगुरु रामभद्राचार्य भी रथ पर सवार थे। उसके पीछे शहर के संतजनों के रथ थे। कथा में हजारों की संख्या में मातृशक्तियां सिर पर कलश लेकर चल रही थीं।

जब श्रीराम ने सुनाई नवधा भक्ति

कथा पूर्व नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा 'भक्तिमती शबरी' नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें प्रभु श्रीराम ने माता शबरी को नवधा भक्ति सुनाई। आज सोमवार को संस्था द्वारा 'रानी दुर्गावती' शीर्षक से नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। भक्तिमती शबरी नाटिका में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी को नवधा भक्ति की कथा सुनाई। उन्होंने संतों का संग, भगवान की कथा सुनना, अभिमान रहित गुरु सेवा, प्रभु का गुणगान करना सहित सभी नौ भक्ति का वर्णन किया। इस अवसर पर समरसता का सार सुनाते हुए माता शबरी ने कहा कि ये भक्ति का ही प्रताप है कि मतंग के आश्रम में शेर-बकरी एक साथ बैठते हैं। वहां समरसता है, भेदभाव तो ज्ञान में छू नहीं जाते। प्रस्तुति में श्रीराम ने माता शबरी से कहा कि मैया, मैं ऊंच नीच का भेद भाव नहीं मानता। स्त्री पुरुष नाम रूप से गुण में भी रहा न कोई नाता-भक्ति भावना निर्मल हो जिसमें स्वीकार करूं हे माता।

नगर आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

इससे पूर्व रविवार सुबह महाराजश्री का सड़क मार्ग से आगमन होने पर रामानंद परंपरा के राघव देवाचार्य, कथा आयोजक समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन, कथा समन्वयक अखिल मिश्रा सहित अन्य ने उनका विधि विधान से पूजन-अर्चन किया। राघव देवाचार्य सहित, संदीप जैन, डॉ. जितेन्द्र जामदार सहित संगठन के पदाधिकारियों महाराजश्री का पूजन-अर्चन किया। कथा स्थल पर अयोध्या में विराजित प्रभु श्रीराम लला की अनुपम झांकी ने सबका मन मोह लिया। कथा का शुभारंभ स्वस्ति वाचन से हुआ। आचार्य पं. रोहित दुबे, पं. सौरभ दुबे सहित अन्य आचार्यों ने स्वस्ति वाचन किया।लोक निर्माण मंत्री ने लिया जगद्गुरु का आशीर्वाद- मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कथा स्थल पहुंचकर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद लिया।

प्रभु प्रेमियों का उत्साह देखकर हुए प्रसन्न

महारज श्री समरसता जैसे पावन उदेश्य के लिए शहर में हो रही राम कथा के प्रति आयोजक संस्था के सदस्यों का उत्साह देख कर खुश हुए। उन्होंने अध्यक्ष संदीप जैन की तारीफ करते हुए कहा कि वे अपने नाम के अनुरूप एक दीप की तरह समाज को रोशन कर रहे हैं। मैं उन्हें और उनकी टीम को बहुत-बहुत आशीर्वाद देता हूं। महाराजश्री को सुनने कथा पंडाल में अपार जनमेदिनी उमड़ी। पंडाल के बाहर सभी भक्तजनों को भोग प्रसादी का वितरण किया गया। आयोजन समिति, स्वागत समिति, समरसता सेवा संगठन ने संस्कारधानी वासियों से नित्य प्रति सायं 4.30 बजे से 7.30 बजे तक हो रही श्रीराम कथा में अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण लाभ लेने की अपील की है।

मंच पर हुए समरसता के दर्शन

कथा जिस समरसता के पावन उद्देश्य के लिए हो रही है, उसके सजीव दर्शन मंच पर हुए। ऐसा अवसर प्रथम बार देखने मिला कि किसी भी धार्मिक कथा या आयोजन में समरसता की अलख जगाते हुए सर्व समाज की सहभागिता हो।राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकी, विधायक सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, लेखराज सिंह मुन्ना, प्रो. आशुतोष दुबे ने जगद्गुरु का पूजन किया।आयोजक समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन, आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार, सचिव अखिल मिश्रा, स्वागत समिति अध्यक्ष गुलशन मखीजा, मुख्य यजमान डॉ. राजेश धीरावाणी, पं. रोहित दुबे, पं ब्रजेश दीक्षित ने विधि विधान से पादुका पूजन किया। सभी यजमानों ने भी पूजन का विधान किया। संदीप जैन ने व्यास पूजन के बाद महाराजश्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्री जैन ने मंच पर उपस्थित द्वाराचार्य राघवदेवाचार्य सहित सभी संतों का पूजन किया।महाराजश्री का स्वागत नगर के स्वामी राजेश्वरानंद, राम बहादुर महाराज, गिरिजानंद महाराज चंद्रशेखरानंद महाराज, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक, समाज सेवी लेखराज सिंह मुन्ना, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, आषुतोष दुबे ने महाराजश्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया।मंच पर 41 समाजों के प्रतिनिधि कथा के यजमान थे। इनमे डॉ. राजेश धीरावाणी (गुजराती समाज) मुख्य यजमान होंगे। साथ ही सुदर्शन जगदीश चौहटेल (सुदर्शन समाज), दास प्रसाद अहिरवार (अहिरवार समाज), दीपक मेहरोलिया (बाल्मीक), डॉ. अमीर चन्द्र सोनकर (सोनकर समाज), बब्बल रजक (रजक समाज), राजू चौरसिया (चौरसिया समा), सुशील सोनी (सोनी समाज), प्रवीण वर्मा (कायस्थ), प्रदीप चौकसे, आशीष राय कल्चुरी समाज सहित सभी समाजों के प्रतिनिधि शामिल थे। मंच का सफल संचालन करते हुए ब्रजेश दीक्षित ने कहा कि गुरुदेव की कथा, कथा नहीं अनुष्ठान होती है। उन्होंने महाराजश्री के राम प्रेम, राष्ट्र प्रेम और चराचर जगत को लेकर गुरुदेव की जीवन तपस्या की भी चर्चा की।

चीफ जस्टिस ने लिया आशीर्वाद

महाराजश्री के आगमन पर रविवार सुबह एमपी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा सपरिवार उनसे मिलने पहुंचे। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के साथ आई उनकी अर्धांगिनी श्रीमती रश्मि सचदेवा से महराजश्री ने कहा कि आप के पति आदर्श पति हैं। उन्होंने कहा कि अमूमन यही सुनने में आता है कि पत्नी ही पति के लिए किडनी दान करती है, लेकिन ये जानकर मैं अति प्रसन्न हूं कि श्री सचदेवा ने अपनी पत्नी के लिए किडनी दान की है। ऐसा करके उन्होंने दांपत्य संस्कार के प्रति गहन आस्था का संदेश समाज को दिया है। महाराजश्री ने कहा कि सनातन धर्म में ही ऐसे संस्कार हैं। जो न सिर्फ परिवार को सुखद बनाते हैं, बल्कि समाज में भी एकता का संचार करते हैं।लोक निर्माण मंत्री ने लिया जगद्गुरु का आशीर्वाद- मप्र के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कथा स्थल पहुंचकर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया।

मंदिर के बाजू से शराब दुकान हटाई जाए, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। कलेक्टर को ज्ञापन देकर बताया गया कि विगत कई वर्षों से संचालित शराब दुकान जो शासन के द्वारा संचिलत की जा रही थी जिसका विरोध कई वर्षों से क्षेत्रीय जनता एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया जा रहा था, जिसको देखकर शासन द्वारा यह दुकान स्थानांतरित कर गोहलपुर थाना से 200 मीटर की परधी या अमखेरा रोड पर मालगुजार परिसर तक स्थल निर्धारित किया गया, उसके बाद भी 01 अप्रेल से शासन के द्वारा बनाये गये नियमों के विरुद्ध संचालित की जा रही है जिससे क्षेत्रीय जनता में भारी रोष व्याप्त है। अगर जल्द से जल्द इस शराब की दुकान को इसके बनाये गये नियमों के अनुसार स्थानांतरित नहीं किया जाता है तो मेरे एवं क्षेत्रीय जनता के द्वारा 24 घंटे के अंदर अनिश्चितकालीन धरना एवं उच्च न्यायालय में जनिहत याचिका के माध्यम से उक्त अवैधानिक कृत्य को करने वाले दोषी अधिकारियों के विरुद्ध जनहित याचिका लगाई जायेगी। रद्दी चौकी स्थित मरही माता मंदिर से लगभग 10 फीट की दूरी पर उक्त शराब दुकान संचालित हो रही है। इस शराब दुकान से मंदिर में आने-जाने वाले क्षेत्रीय नागरिकों और माता-बहनों को रोज अभद्र एवं अमानवीय कृत्य, अशोभनीय हरकतों को देख-सुन शर्मिंदा होना पड़ता है। अतः हमारा निवेदन है कि दुकान का जब नई जगह आवंटन हो गया है तो उसे गोहलपुर थाने से 200 मीटर की परिधि या अमखेरा रोड पर मालगुजार परिसर तक के बीच खोला जाये, जिससे सरकार द्वारा निर्धारित नियम का पालन होगा और वर्षों से पीड़ित हम सभी एवं क्षेत्रीय नागरिकों को शांतिपूर्वक जीवन बसर करने का अवसर मिलेगा।

मनाया प्रभु येशु ख़्रीस्त का बलिदान और मानव मुक्ति दिवस

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच ने बताया की आज सारी दुनिया में पुण्य शुक्रवार/ गुड फ्राइडे के रूप में विश्व के सभी विश्वासियों के द्वारा मनाया जा रहा है। सृष्टि के आरम्भ से विद्यमान सृष्टिकर्ता ईश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा ने सुंदर सृष्टि का निर्माण किया और अपने ख़ुद के प्रतिरूप सदृश्य मनुष्य की भी सृष्टि की और इस पर प्रभु ईश्वर बहुत खुश था, किन्तु ईश्वर से तुलना करने वाले एवं बराबरी करने वाले ईश्वर की एक कृति ने ईर्षा के कारण पाप किया, ये सोचकर कि ईश्वर का पुत्र संसार का मुक्तिदाता बनेगा और इसलिए शैतान ने झूठ बोलकर आदम और हेवा को लालच देकर ईश्वर के विरुद्ध पाप कराया और ईश्वर की आज्ञाओं को न मानने के कारण आदम हेवा याने समस्त मानव जाति पाप में गिर गई और इस तरह स्वर्ग का द्वार बंद हो गया और दुनिया में मृत्यु का प्रवेश हो गया। हालाँकि ईश्वर को यह कृत्य अच्छा नहीं लगा, क्योंकि मनुष्य ईश्वर की ही कृति है ईश्वर ने पाप से मुक्ति के लिए अपने इकलौते पुत्र को ही जो स्वयं आदिकाल से ही ईश्वर है, मानव मुक्ति के लिए इस दुनिया में भेजा, क्योंकि ईश्वर के पुत्र प्रभु यीशु ख़्रिस्त के बलिदान और पवित्र लहू से मानव मुक्ति सम्भव थी। योजना अनुसार प्रभु यीशु ने क्रूस पर भारी दुख के साथ मृत्यु स्वीकारी और अपना पवित्र रक्त बहाकर एवं मरकर सभी मनुष्यों को मुक्ति और अन्नत जीवन प्रदान किया। इसलिए पुण्य शुक्रवार याने गुडफ्राइडे मनाया जाता है। इसी कड़ी, तारतम्य में जबलपुर संस्कारधानी के सभी गिरजाघरों में क्रूसरूपी यात्रा का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया। सभी गिरजाघरों में भारी संख्या में विश्वासियों ने हिस्सा लेकर पवित्र शुक्रवार याने गुडफ्राइडे येसु मसीह के बलिदान दिवस को मनाया। आज सभी गिरजाघरों में क्रूसमय यात्रा के साथ ही मिस्सा बलिदान चढ़ाया गया जिसमें सभी विश्वासियों ने भक्ति भावना और उपवास के साथ बड़ी ही शालीनता से भाग लिया।

48 घंटे के अंदर जीआरपी ने दस्तयाब की अपहृत बालिका

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) सिमाला प्रसाद जबलपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी व पुलिस उप अधीक्षक (रेल) अंकिता सुल्या जबलपुर के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़, अपराधों की रोकथाम एवं गुम बालक, बालिकाओं की तलाश पतारसी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में अपराध क्र. 181/26 धारा 137 (2) बीएनएस के मामले में ट्रेन 12062 जनशताब्दी एक्सप्रेस से अपहृत हुई बालिका को विशेष टीम गठित कर 48 घंटे के अंदर दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में जीआरपी थाना जबलपुर से एसएचओ संजीवनी राजपूत, सउनि. जगन्नाथ सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक विनोद तिवारी, आरक्षक मनीष शर्मा, महिला आरक्षक अंजनी राजपूत, शकुन्तला का उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक (रेल) जबलपुर द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को नगद ईनाम से पुरष्कृत करने की घोषणा

आज सायंकाल एवं 7 अप्रैल को दोनों समय जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि आनंद नगर टैंक में डक फुट बैंड 600 एम.एम. के बदलने का कार्य किया जाना है। जिसके चलते आज दिनांक 6 अप्रैल 2026 को सांयकाल एवं दिनांक 7 अप्रैल 2026 को दोनों समय आनंद नगर टैंक से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्यो के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', जल प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

उधना-जयनगर-उधना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

पमरे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर भी रहेगा ठहराव

जबलपुर। रेलवे द्वारा समर के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर आरक्षित एवं अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 09061/09062 उधना-जयनगर-उधना समर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जा रही है। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास के 22 कोचेस हैं। इस स्पेशल ट्रेन का पश्चिम मध्य रेल के क्षेत्राधिकार में आने वाले समय-सारणी का विवरण निम्नानुसार है-

उधना-जयनगर-उधना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (02- 02ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09061 उधना से जयनगर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन दिनांक 05 एवं 12 अप्रैल 2026 प्रत्येक रविवार को उधना स्टेशन से मध्यरात्रि 01:30 बजे प्रस्थान कर इटारसी दोपहर 12:50 बजे, जबलपुर 16:40 बजे, कटनी 18:15 बजे, सतना 19:55 बजे पहुँचकर मार्ग से होते हुए सोमवार को दोपहर 14:30 बजे जयनगर स्टेशन पहुँचेगी। (दो सेवाएं)

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09062 जयनगर से उधना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन दिनांक 06 एवं 13 अप्रैल 2026 प्रत्येक सोमवार को जयनगर स्टेशन से 17:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सतना 11:40 बजे, कटनी 13:15 बजे, जबलपुर 15:15 बजे, इटारसी 19:00 बजे पहुंचकर और बुधवार 06:15 बजे उधना स्टेशन पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, दिलदारनगर, बक्सर, रघुनाथपुर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेंगी। यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए अनारक्षित स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, एनटीइएस या रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन रेलवे वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

"मेडिसिन अपडेट 2026" के दो दिवसीय 27वें वार्षिक सम्मेलन संपन्न

आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नवीनतम शोध, जटिल रोगों के निदान के उन्नत तरीकों पर हुई विस्तार से चर्चा

जबलपुर। मेडिकल कॉलेज के भूतपूर्व प्रोफ डीन. प्रोफ. डॉ. बी. एन. श्रीवास्तव को याद करते हुए डॉ. बी. एन श्रीवास्तव ओरेसन समारोह का आयोजन किया गया जिसके वक्ता डॉ. शुभाष चंद्रा, नई दिल्ली से थे।

इन सत्रों में आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नवीनतम शोध, जटिल रोगों के निदान एवं उपचार के उन्नत तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने अपने व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए चिकित्सकों को दैनिक चिकित्सा अभ्यास में आने वाली चुनौतियों एवं उनके प्रभावी समाधान के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता रही तथा प्रश्नोत्तर सत्रों ने इसे और अधिक उपयोगी एवं संवादात्मक बनाया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जबलपुर के माननीय सांसद श्री आशीष दुबे जी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही डॉ. ऋचा शर्मा (अध्यक्षा, आईएमए जबलपुर) भी उपस्थित रहीं। द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्रातः मेडिकल क्विज से हुआ, जिसमें देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा विशेषज्ञों एवं पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स ने भाग लिया। —डॉ. बालाजी कन्नुमणि (हैदराबाद), डॉ. नरेंद्र सिंह (गुरुग्राम), डॉ. सुभाष चंद्रा (नई दिल्ली), डॉ. सुनीत लोकवानी (इंदौर) तथा जबलपुर से डॉ. एम. एस. जोहरी, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ. नीरज जैन, डॉ. परिमल स्वामी, डॉ. आशीष डेंगरा, डॉ. प्राची शर्मा, डॉ. विशाल कस्तवार, डॉ. प्रियंका कुकरेल एवं डॉ. ऋषि कांत अहरवाल —द्वारा विभिन्न समसामयिक विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। लाइफ टाइम अचीवमेंट उनके चिकित्सा क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए अवार्ड इस वर्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव , डॉ. प्रोफ मनोज कुमार पराशर एवं डॉ. अजय भंडारी को दिया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने चिकित्सा क्षेत्र में इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन चिकित्सकों को नवीनतम ज्ञान एवं तकनीकों से अपडेट रहने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं, जिससे जनस्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। सम्मेलन के समापन पर आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। अंत में डॉ. अखिलेश तिवारी, सचिव एपीआई जबलपुर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताब प्रस्तुत किया गया ताकी भविष्य में ऐसी सम्मेलन निरंतर किये जाये।

पुस्तक मेले में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

बरेला। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाडा गौर विद्यालय द्वारा पुस्तक मेले कि संध्या में रंगारंग कार्यक्रम में विभिन्न प्रस्तुतियाँ प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं शैक्षणिक स्टाफ ने देकर समां बांध दिया । प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े के मार्गदर्शन एवं नृत्य निर्देशिका शिक्षिकाएं सरोज विनोदिया, संगीता तिवारी, मीरा पांडे के कुशल निर्देशन में छात्र-छात्राओं द्वारा निमाड़ी नृत्य,हरियाणवी नृत्य, भजन नृत्य प्रस्तुति, दशावतार प्रस्तुति,सोहर लोक गायन एवं नृत्य नाटिका सत्यभामा रुक्मणी प्रसंग "भगवन तो मिलते हैं भक्ति से" और शैक्षणिक स्टाफ द्वारा गायन स्वरचित काव्य पाठ एवं गीतों की सुंदर प्रस्तुतियाँ मेले में दी गई ।जिसकी दर्शक दीर्घा द्वारा अत्यंत सराहना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदया श्रीमती आशा मुकेश गोटिया जिला पंचायत अध्यक्ष जबलपुर,श्री रिंकू विज जी नगर निगम अध्यक्ष जबलपुर, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार श्री आलोक पाठक जी.द्वारा भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया,साथ ही स्टेशनरी किट भी वितरित की गई। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के संभागीय कार्यालय के श्री राव जी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी जी, जिला परियोजना समन्वयक श्री योगेश शर्मा जी, बच्चों के उत्साहवर्धन के लिएपीएम श्री का समस्त स्टॉफ छात्र-छात्राएं,पालक गण उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर उपनयन संस्कार 20 अप्रैल को

जबलपुर। संपूर्ण ब्राह्मण मंच द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं उपनयन संस्कार प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी अप्रैल माह में आयोजित होगा। बताया गया परशुराम धाम ग्वारीघाट में मां नर्मदा पूजन के साथ भगवान परशुराम के आशीर्वाद से निःशुल्क उपनयन संस्कार, मुंडन संस्कार कनछेदन संस्कार आयोजित किया जा रहा है जिसका रजिस्ट्रेशन पूर्णतया निःशुल्क होगा। सभी विप्र बंधुओं से एवं विप्र समाज के सम्माननीयजनों से अनुरोध है कि अन्य समाज के जो भी उपनयन संस्कार कराना चाहते हैं वह संपूर्ण ब्राह्मण मंच कार्यालय ब्रिज बाइक सेंटर कछपुरा मेन रोड गढ़ा में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। मंच के महत्वपूर्ण सदस्य से भी व्हाट्सएप ग्रुप एवं ब्राह्मण समाज के संपूर्ण ब्राह्मण मंच के प्रवक्ता पं. धनंजय बाजपेई आदि से भी संपर्क कर सकते हैं। सनातन संस्कृति में उपनयन संस्कार 16 संस्कारों में महत्वपूर्ण संस्कार है कनछेदन, मुंडन आदि की भी विशेष व्यवस्था होगी।

कुर्मी समाज के राष्ट्रीय महाधिवेशन में कुरीतियों के खिलाफ बुलंद की आवाज

46वें अधिवेशन के दूसरे दिन दहेज प्रथा, नशामुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर हुआ गहन मंथन

जबलपुर। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दाऊ मैरिज गार्डन, महाराजपुर बायपास में आयोजित दो दिवसीय 46वें राष्ट्रीय महाधिवेशन के दूसरे दिन की मुख्य वक्ता सांसद लता वानखेड़े रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस निरंजन ने की। कार्यक्रम की शुरुआत कुर्मी गीत और अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। अधिवेशन में सबसे पहले समाज से आए सभी पुरोहितों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन रामखेलावन पटेल ने दिया, जिसके बाद प्रदेशों से पधारे सभी अतिथियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनका स्वागत किया गया। अधिवेशन में विभिन्न विषयों जैसे फ़िरिका परस्ती तोड़ो, क्षेत्रीयता की बात छोड़ो, एक राज्य से दूसरे राज्य में स्वजातीय में बिना दहेज के रोटी-बेटी का

रिश्ता जोड़ो, प्रजातांत्रिक राजनीतिक विकास समाज की धुरी, कन्या भ्रूण हत्या मिटाओ, कन्या बचाओ अभियान चलाओ, दहेज प्रथा का बहिष्कार करो, बहू को बेटी का दर्जा दिलाओ, समाज विकास में महिला युवा एवं छात्र-छात्राओं का योगदान सहित नशा मुक्त समाज का निर्माण करने के साथ मृत्यु भोज एवं फिजूल खर्ची आर्थिक विकास में बाधक सहित विभिन्न विषयों पर विचार मंथन किया गया। कार्यक्रम में कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला जबलपुर की टीम का भी स्वागत किया गया, जिन्होंने दिन रात मेहनत करके इस राष्ट्रीय अधिवेशन को सफल बनाया है। कार्यक्रम में समाज के राष्ट्रीय संरक्षक एलपी पटेल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चंद्राकर, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज पाटीदार, प्रदेश संरक्षक एवं भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष तेज प्रताप गौर, जिलाध्यक्ष कुर्मी विवेक चौधरी, महासचिव कैप्टन ओमप्रकाश सचान, कोषाध्यक्ष राममिलन पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश पटेल, राजेश पटेल, युवा संगठन अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, आशीष पटेल, कॉर्डिनेटर रंजीत पटेल, आशीष पटेल, दिनेश पटेल, आदेश पटेल, मोनू पटेल, राहुल पटेल, पवन पटेल, धनेश पटेल, दशरथ पटेल, जयप्रकाश पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एपीएन महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया

जबलपुर। अयोध्या प्रसाद नर्मदा महाविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का गरिमामय आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए अपनी उपलब्धियां एवं महाविद्यालय में व्यतीत किये संस्मरणों को याद करके वर्तमान विद्यार्थियों को अपने करियर की यात्रा के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से गीत संगीत गेम्स आदि का आयोजन भी किया गया, इस अवसर पर स्वागत भाषण महाविद्यालय की उपप्राचार्य लेफ्टिनेंट डॉक्टर दिव्या पाराशर द्वारा दिया गया।

महाविद्यालय के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम वर्तमान विद्यार्थियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा लक्षिता शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कु वैष्णवी साहू द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सोनल खरे एवं कुल सचिव मानवेंद्र सिंह ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था के प्रबंधक तुलसीदास द्रविड़, पार्षद अमरचंद बाबरिया, कार्यक्रम समन्वयक आलोक सिंह, डॉ. पूजा शर्मा एवं समस्त स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही।

सिहोरा में तीन मंडलों का प्रशिक्षण महाअभियान

भाजपा संगठन मावन कल्याण के लिए हमेशा तत्पर: बरकडे

सिहोरा। भारतीय जनता पार्टी का संगठन सम्पूर्ण देश में मानव कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहता है आज पित्र पुरुषों एंव देवतुल्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के आशीर्वाद और समर्पण से ही भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है उक्ताशय के उदगार क्षेत्रीय विधायक संतोष बरकडे ने ध्वनि पैलेस में मंझगवा,गोसलपुर, सिहोरा नगर मंडल के आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान में भाजपा का कार्य विस्तार योजना विषय पर मुख्य अतिथि के रुप में व्यक्त किए।

भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण से प्रारम्भ प्रशिक्षण

भारत माता के साथ पार्टी के पित्र पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय,श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद प्रारंभ हुए प्रशिक्षण वर्ग में अतिथि के रुप में उपस्थित प्रदेश कोषाध्यक्ष अखलेश जैन, पूर्व विधायक दिलीप दुबे, नंदनी मरावी,नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे, जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र

अग्निहोत्री, जिला पंचायत सदस्य अंजली गोलू पांडे का पुष्पहार भेंटकर स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग में बताई भाजपा की उपलब्धियां

प्रशिक्षण महाअभियान मे हमारी कार्यपद्धति, भाजपा का कार्य विस्तार, हमारा वैचारिक अधिष्ठान, सोसल मीडिया ए आई नमो ऐप, भाजपा का इतिहास विकास,प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, केन्द्र सरकार की उपलब्धियां के संबंध में आठ सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।जिसको अखलेश जैन प्रदेश कोषाध्यक्ष, पूर्व विधायक दिलीप दुबे,नंदनी मरावी,अंकुर जैन जिला उपाध्यक्ष,अभिषेक सिंह,पुष्पराज सिंह बघेल जिला उपाध्यक्ष,राजमणि सिंह बघेल प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा आदि ने सम्बोधित किया।

प्रशिक्षण वर्ग का संचालन जिला महामंत्री राजेश दाहिया ने किया

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,अनुपम सराफ जिला उपाध्यक्ष,नीलू बाजपेयी,नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी,नगर मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल,पवन गुप्ता, अंकित तिवारी, पार्षद बेबी विनय पाल, गौरादेवी विश्वकर्मा ,रीता शुक्ला, लीला बर्मन,सारिका साहू, बिनोद गुप्ता,साकेत पांडे,अमित खत्री,सत्यप्रकाश खरे, प्रवीण कुररिया, विनय जैन, के के दुबे, अरुण जैन,माधव मिश्रा,सुग्रीव श्रीवास, विरेन्द्र पटेल, सुनील चक्रवर्ती, संदीप राही सतीश यादव आदि उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू सम्मानित

जबलपुर। मध्यप्रदेश तैलिक साहू महिला मंडल जबलपुर द्वारा भाजपा जबलपुर महानगर के मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू को मप्र भाजपा सह मीडिया प्रभारी नियुक्त होने पर भाजपा नेत्र मप्र तैलिक महासभा की अध्यक्ष आभा साहू के यादव कालोनी स्थित निवास पर जबलपुर साहू महिला मंडल द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर साहू महिला मंडल की ओर से आभा साहू, डॉ. निशा साहू, श्रद्धा साहू, रानी साहू, विमला साहू, नीतू आशीष साहू, नीतेश रंजीत साहू, शिल्पा साहू, उल्का साहू, प्रभा साहू, सारिका साहू, सरिता साहू, मंजू, रंजना, आराधना, सुषमा, रजनी, निशा साहू, निशा नीलेश साहू, दर्पणा, पिंकी, स्वाति, निधि, दीपा, रेखा, आकांक्षा, पूर्वा साहू सहित महिला मंडल की सभी पदाधिकारियों और बहनों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर श्रीकांत साहू का सम्मान किया। इस अवसर पर श्रीकांत साहू ने कहा कि साहू महिला मंडल के इस सम्मान से मैं अविभूत हूँ और समाज के कल्याण की दिशा में सदैव प्रयत्नशील रहूंगा। आभार प्रदर्शन आभा साहू ने किया।

विनोद कैथल बने आप के अनुसूचित जाति विंग प्रदेश उपाध्यक्ष

जबलपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर ने जबलपुर जोन प्रभारी आरके वर्मा एवं प्रदेश संगठन मंत्री एड. रामकिशोर शिवहरे के माध्यम से विनोद कैथल को मप्र आम आदमी पार्टी के अनुसूचित जाति विंग का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस मनोनयन पर दादा साहू भट्टाचार्य, रीतेश सिंह, राकेश कैथल, राकेश नायडू, मुरारीलाल चक्रवर्ती, राजेश कुशवाहा सहित अन्य ने बधाई प्रेषित की है।

श्रीमति उर्मिला परौहा - सिहोरा वार्ड क्रमांक 11 बाबाताल निवासी श्रीमती उर्मिला परौहा का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे ब्राह्मण समाज सिहोरा के संरक्षक नंदकुमार परौहा की धर्मपत्नी एंव प्रशांत परौहा की मां थी।

श्री अनूप पाठक- हाउबाग रेलवे स्टेशन के पास गोरखपुर निवासी श्री किशोर कुमार पाठक के पुत्र श्री अनूप पाठक (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई ठाकुर- टेमरभीटा टपरिया निवासी श्री राम सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई ठाकुर (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अम्बिका प्रसाद पाठक- कुंवरजी का बाड़ा घमापुर चौक निवासी श्री अम्बिका प्रसाद पाठक (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

दीक्षा पारस- कजरवारा नई बस्ती निवासी श्री दीपक पारस की अल्पायु पुत्री दीक्षा पारस का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेंद्र सिंह- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री सुरेंद्र सिंह (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री श्याम लाल ठाकुर- सोनिया अपार्टमेंट के सामने साउथ सिविल लाइन निवासी श्री श्याम लाल ठाकुर (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मूलचंद गुप्ता- गलगला मुमताज बिल्डिंग के पास निवासी श्री मूलचंद गुप्ता (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रेखा ठाकुर- गौतमगंज गढ़ा निवासी श्रीमती रेखा ठाकुर (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला गुप्ता- खलासी लाइन छोटी ओमती निवसी श्री मनोहर गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती लीला गुप्ता (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा की कलशयात्रा आज

नरसिंह देवाचार्य बने संत समिति के अध्यक्ष

सिहोरा। प्रज्ञा विहार कॉलोनी में जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री के संयोजन में आयोजित आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की भव्य कलशयात्रा सायं 4 बजे बाबाताल शिव मंदिर से प्रारम्भ होंगी। श्रीमद् भागवत कथा में गीता धाम जबलपुर के महंत पूज्य डॉक्टर स्वामी नृसिंह देवाचार्य भागवत कथा के साथ प्रवचनों की अमृत वर्षा करेंगे आयोजन में नरसिंह मंदिर खितौला के महंत गोविंद दास महाराज कटाव धाम मझौली के महंत वेदांती महाराज सिद्धन धाम कुर्रे के महंत सीता शरण जू महाराज एवं भाटिया धाम भरभरा आश्रम के महंत बनवारी दास महाराज का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। आयोजन में 7 अप्रैल को मंगलाचरण 8 अप्रैल को सृष्टि रचना 9 अप्रैल को मत्स्य चरित्र 10 अप्रैल को नंदो उत्सव 11 अप्रैल को महारास 12 अप्रैल को सुदामा चरित्र तथा 13 अप्रैल को कन्या भोज भंडारा का आयोजन होगा। कलशयात्रा में पहुंचकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील आयोजक मंडल के श्रीमती देववती

अग्निहोत्री शैलेंद्र अग्निहोत्री पंकज अग्निहोत्री सारांश अग्निहोत्री आदि ने की है।

अखिल भारतीय संत समिति की अध्यक्ष बने नरसिंह देवाचार्य

श्रीमद जगदगुरू डॉ स्वामीनरसिंहदेवाचार्य जी महाराज श्री को आखिल भारतीय संत समिति मध्यप्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया देश के सभी संतो ने अपनी करतल ध्वनि से सहमति प्रदान कर बधाईया देकर खुशियाँ मनाई एवं माल्यार्पण किया अ. भा. स. समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सप्तम कुबेराचार्य अविचल देवाचार्य जी महराज, अ. भा. स. समिति के (राष्ट्रीय महामंत्री) दण्डीस्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती जी महराज श्री इस अवसर पर (प्रदेश करकरी अध्यक्ष) महंत अनिलानंद जी महाराज (प्रदेश महामंत्री) महत श्री हनुमान दास जी (प्रदेश संयोजक) महामंडलेश्वर स्वामी पुरुषोत्तम दास जी (प्रदेश उपाध्यक्ष) स्वामी नरसिंह दास जी महंत स्वामी श्री बालक दास जी एवं सभी देशों से पधारे पूज्य संतो के उपस्थिति में पूज्य महराज श्री को मध्य प्रदेश के अध्यक्ष के पद पर सुशोभित किया गया।

असम राहुल बोले-

हेमंत विस्वा ने पूरे परिवार को भ्रष्टाचार में किया शामिल

गोवाहाटी। अपने भाषण में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार में अपने परिवार को भी शामिल कर लिया है।

इस वजह से कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ेगा. किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा जितना कूदना-फांदना चाहते हैं, अभी कर लें, क्योंकि कांग्रेस उन्हें छोड़ने वाली नहीं है।

'दिल्ली से चल रही है असम सरकार'

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि असम की सरकार वास्तव में दिल्ली से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि जो निर्णय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री लेते हैं, वही राज्य में लागू होता है। इससे राज्य की स्वायत्तता और स्थानीय हितों को नुकसान पहुंच रहा है। अपने भाषण में राहुल ने सिर्फ आरोप ही नहीं लगाए, बल्कि कांग्रेस की संभावित सरकार के लिए कई बड़े वादे भी किए।

चुनावी वादों की झड़ी, 6 बड़े ऐलान

उन्होंने कहा कि असम की 6 समुदायों को एससी/एसटी का दर्जा दिया जाएगा। चाय बागान के श्रमिकों को 450 रुपए प्रतिदिन देने का वादा भी दोहराया गया। सरकार बनने पर हर महिला के खाते में बिना शर्त हर महीने पैसा ट्रांसफर किया जाएगा। जो अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, उनको 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

बिहू और दुर्गा पूजा पर मिलेगा एक-एक सिलेंडर : हिमंत सरमा

सम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बिहू और दुर्गा पूजा के दौरान हर व्यक्ति को एक-एक फ्री एलपीजी सिलिंडर देने का वादा किया है। इस घोषणा के समय पूरे राज्य में कुकिंग गैस वितरकों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही थीं। सरमा शनिवार को चराइदेव जिले के महमोरा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार सूरज दिहिंगिया के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली में उन्होंने कहा कि बिहू और दुर्गा पूजा में हम लोगों को एक-एक गैस सिलिंडर फ्री में देंगे। इन दो सिलिंडरों का भुगतान मामा करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभा को बताया कि अगर भाजपा सत्ता में वापस आती है, तो मुफ्त चावल जारी रहेगा।

पश्चिम बंगाल में पीएम नरेंद्र मोदी बोले

टीएमसी का भय, भाजपा का भरोसा इस बार चुनाव में दो विकल्प हैं

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिगेड ग्राउंड की ऐतिहासिक तस्वीरें, जनसैलाब, जनता का उत्साह और जुनून यह दिखाता है कि पश्चिम बंगाल में बदलाव का माहौल बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस रैली के बाद तृणमूल कांग्रेस का 'सिंडिकेट' घबराया हुआ है और जनता ने बदलाव पर मुहर लगा दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार चुनाव में दो विकल्प साफ हैं। एक ओर

टीएमसी का भय। दूसरी ओर बीजेपी का भरोसा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी में 'कटमनी' और भ्रष्टाचार का डर है। बीजेपी विकास को तेज रफ्तार देने का भरोसा देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हेलीपैड से लेकर सभा स्थल तक उन्होंने जो माहौल देखा, वह अभूतपूर्व था। उन्होंने कहा कि ऐसा उत्साह कि बड़े-बड़े रोड शो भी फीके पड़ जाएं. पहले भी इस मैदान में आए हैं, लेकिन इस बार का जनसमर्थन सारे रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह भीड़ और समर्थन नए बंगाल और उज्ज्वल भविष्य के लिए जनता के विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने बंगाल के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि वे इस आशीर्वाद के लिए सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं।

ममता ने कहा कि मतदान के बाद भी ईवीएम की निगरानी जरूरी

ममता बनर्जी ने मुर्शीदाबाद की रैली में उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगहों पर ईवीएम मशीन को खराब करने की योजना बनाई जाती है, इसलिए अगर मशीन खराब हो तो उसे ठीक कराने की बजाय नई मशीन मंगाने की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की जांच करते समय वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) का होना जरूरी है और यह देखना चाहिए कि वोट सही तरीके से रिकॉर्ड हो रहा है। मुख्यमंत्री ममता ने मतदाताओं से कहा कि अगर

जरूरत पड़े तो उन्हें थोड़ा इंतजार करना चाहिए, क्योंकि यह उनके वोट के अधिकार, पहचान, भाषा और अस्तित्व से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि मतदान खत्म होने के बाद भी सतर्क रहना जरूरी है। उनके मुताबिक, रात में मशीनों की सुरक्षा पर नजर रखी जाए। 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि मशीनों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों की मौजूदगी में भी मशीनों के साथ छेड़छाड़ की कोशिश हो सकती है, इसलिए लगातार निगरानी जरूरी है. उन्होंने कहा कि लोगों को यह भी देखना चाहिए कि मशीनों की जांच कैसे हो रही है और कहीं कोई गड़बड़ी तो नहीं की जा रही।

घुसपैठ और डेमोग्राफी का मुद्दा भी उठाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ घुसपैठ कराकर विदेशियों को बसाने का खतरा है। दूसरी तरफ बीजेपी घुसपैठ रोकने और बाहर करने का भरोसा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि बदलती जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) के कारण लोगों को अपनी ही जमीन पर असुरक्षा का डर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान के दिन लोगों को डराने की कोशिश की जाएगी, लेकिन जनता को कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद टीएमसी के 'पापों' का पूरा हिसाब होगा और कानून अपना काम करेगा, चाहे कोई कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल शक्ति की पूजा की भूमि है और बीजेपी महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं तक मूल सुविधाएं पहुंचाई हैं और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के प्रयास किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को राजनीति में अधिक भागीदारी देने के लिए संसद और विधानसभाओं में आरक्षण का कानून बनाया गया है, जिससे आने वाले चुनावों में महिलाओं को फायदा मिलेगा।

केरल केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा

केरल की जनता एलडीएफ के कुशासन से चाहती है बदलाव

एजेंसी ▶▶| तिरुअनंतपुरम

केरल के एर्नाकुलम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केरल की जनता अब एलडीएफ के

कुशासन से बदलाव चाहती है। लंबे समय से चल रहे सत्ता के इस चक्र से बाहर निकलना चाहती है। शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीति बिल्कुल स्पष्ट है। सबको न्याय, किसी का तुष्टिकरण नहीं। इसी सिद्धांत के आधार पर देशभर में काम हो रहा है। केरल में भी यही सोच लागू की जाएगी। उन्होंने अपने संबोधन में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का भी जिक्र किया। गृह मंत्री ने कहा कि जब पीएफआई देश विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया, तब केंद्र सरकार ने एक ही दिन में पूरे देश में इसके सभी कैडर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

यह चुनाव केरल के भविष्य का चुनाव

चुनावी रैली में अपने संबोधन के अंत में अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है। उन्होंने इसे केरल के भविष्य का चुनाव बताया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यदि वे वास्तविक विकास चाहते हैं, तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को सरकार बनाने का मौका दें। उन्होंने केरल में एनडीए के बढ़ते समर्थन का हवाला देते हुए कहा कि बढ़ता वोट प्रतिशत इसका प्रमाण है।

त्रिशूर में भाजपा पर शराब कूपन बांटने का आरोप

केरलम में विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वहां की सियासत में गिफ्ट पॉलिटिक्स को लेकर बड़ा बवाल शुरू हो गया है। मामला त्रिशूर का है, जहां चुनाव आयोग की टीम ने अवैध रूप से राशन की किट बांटने के खेल का भंडाफोड़ किया है। आरोप लग रहे हैं कि भाजपा वोटरों को लुभाने के लिए न केवल राशन की किट बांटी जा रही थी, बल्कि बार से शराब लेने के लिए कूपन भी दिए जा रहे थे। सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस ने मौके से 29 राशन किट बरामद कीं। एक किट की कीमत करीब 900 रुपये थी, जिसमें घर के इस्तेमाल का काफी सामान था। पता चला कि अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही करीब 75 किट बांटी जा चुकी थीं।

तमिलनाडु 'सगे बाप को ही बना दिया कैदी', सीएम स्टालिन पर बरसे पलानीस्वामी

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर पारिवारिक युद्ध छिड़ गया है। एआईएडीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ई के पलानीस्वामी ने मौजूदा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर आरोप लगाया कि स्टालिन ने अपने ही पिता और दक्षिण भारत के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि को उनके आखिरी दिनों में कैदी बनाकर रखा गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि पलानीस्वामी ने यह आरोप खुद से नहीं लगाए, बल्कि स्टालिन के अपने भाई अलागिरि और करीबी नेता ए. राजा के पुराने बयानों के हवाले से सरकार को घेरा है। एक जनसभा में गरजते हुए पलानीस्वामी ने पुरानी यादें ताजा कीं और कहा कि जब करुणानिधि की तबीयत खराब हो रही थी, तब ए. राजा का एक ऑडियो मैसेज खूब चर्चा में था। उस ऑडियो का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि स्टालिन ने अपने ही पिता को हाउस अरेस्ट यानी घर में ही नजरबंद कर लिया था। उन्होंने कहा कि जिस पिता ने आपको विधायक से लेकर मंत्री, डिप्टी सीएम और पार्टी का वर्किंग प्रेसिडेंट तक बनाया, उसी पिता को आपने उनके आखिरी समय में घर के अंदर ही कैद कर दिया।

'तमिलनाडु में तीन-भाषा नीति लागू करने की हिम्मत है क्या

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने केंद्र की एनडीए सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। स्टालिन ने भाषा के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पीएम मोदी और अमित शाह को खुली चुनौती देते हुए पूछा कि क्या उनमें तमिलनाडु में 'तीन-भाषा नीति' लागू करने की घोषणा करने की हिम्मत है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सीबीएसई के नए सिलेबस स्ट्रक्चर के जरिए गैर-हिंदी भाषी राज्यों में गुप्त तरीके से हिंदी का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु किसी भी कीमत पर भाषा थोपने की नीति को मंजूर नहीं करेगा।

पुडुचेरी विजय ने किया 2 पेंडिंग एफआईआर का खुलासा

एजेंसी ▶▶| तिरुचिरापल्ली

तमिलागा वेट्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने पहले एक चुनावी हलफनामा जमा किया था जिसमें कहा गया था कि उनके खिलाफ कोई भी आपराधिक मामला लंबित नहीं है। अब 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के पास जमा किए गए एक नए हलफनामे में दो लंबित एफआईआर की घोषणा की है। अभिनेता-राजनेता पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्वी निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने 30 मार्च को पेरम्बूर के लिए और 2 अप्रैल को तिरुचिरापल्ली पूर्वी के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था।

क्या है मामला

नए हलफनामे में दो मामले एक चेन्नई से और एक मदुरै से शामिल हैं, जिन्हें उनके मूल हलफनामे में शामिल नहीं किया गया था। ताजा हलफनामे में विजय ने एफआईआर संख्या 74/2026 का खुलासा किया, जो चेन्नई के केs पेरावल्लूर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। दूसरी एफआईआर संख्या 108/2025, मदुरै जिले के कूड़ाकोविल पुलिस स्टेशन में दर्ज है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को एक पार्टी सम्मेलन के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है।

खबर संक्षेप

पार्टी में ड्रग्स लेते मॉडल सहित छह लोग पकड़ाए

हैदराबाद। तेलंगाना की मादक पदार्थ रोधी इकाई 'ईगल फोर्स' ने

गोलकोंडा के एक रिसॉर्ट में तलाशी अभियान के बाद मादक पदार्थ के सेवन के आरोप में एक मॉडल सह अभिनेता समेत छह लोगों को पकड़ा हैं। अधिकारियों ने बताया कि रिसॉर्ट में विशेष पार्टी आयोजित किये जाने की सूचना पर 'ईगल फोर्स' ने हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग और गोलकोंडा पुलिस थाने के कर्मियों ने छापा मारकर मॉडल-अभिनेता और दो व्यवसायियों समेत कुल छह लोगों में मादक पदार्थों के सेवन की पुष्टि हुई।

बिहार में मदरसा परिसर से पिस्तौल बरामद

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक मदरसा परिसर से पुलिस ने रविवार को एक पिस्तौल और एक कारतूस बरामद किया। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गोविंदरा इलाके में मदरसे के एक मौलवी समेत तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जिला पुलिस ने विशेष सूचनाओं के आधार पर एक विशेष जांच दल का गठन किया था और मदरसे पर छापा मारा था। साक्ष्य जुटाने में जांचकर्ताओं की सहायता के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी लगाया गया है।

पाक में बारिश से 23 बच्चों सहित 45 की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 10 दिनों में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गयी और 105 लोग घायल हुए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि 25 मार्च से लगातार हो रही बारिश से हुए नुकसान को कवर करने वाली एक रिपोर्ट में कहा कि कुल 45 मृतकों में से 23 बच्चे, 17 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं, जबकि घायलों में 45 पुरुष, 16 महिलाएं और 44 बच्चे शामिल हैं।

गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार निशाने पर थे रेल सिग्नल

ट्रेन हादसा कराने के पहले ही पकड़ाए आईएसआई के गुर्गे

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड को बड़ी सफलता मिली है। एटीएस ने लखनऊ रेलवे स्टेशन से 4 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनका संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से बताया जा रहा है। कथित तौर पर ये लखनऊ रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक रेलवे सिग्नल बॉक्स को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। आरोप है कि गिरोह का सरगना पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर के सीधे संपर्क में थे। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी पिछले 3 महीनों से सक्रिय थे और खास लोगों की आवाजाही समेत अहम स्थानों की जानकारी जुटाकर अपने हैंडलर्स को दे रहे थे। एटीएस अब डिजिटल सबूतों, मोबाइल फोन और बाकी सामग्री की जांच कर रही है और आरोपियों की एक हफ्ते की रिमांड मांगी है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी

गिरफ्तार किए गए लोगों में साकिब उर्फ डेविल (25 वर्ष), मेरठ के अगवानपुर का रहने वाला अरबाब (20 वर्ष), मेरठ का विकास गहलावत उर्फ रौनक (27 वर्ष), गौतम बुद्ध नगर का लोकेश उर्फ पपला पंडित (19 वर्ष) शामिल हैं।

आरोपियों ने लखनऊ समेत कई शहरों में रेकी की

आरोप है कि गिरोह ने लखनऊ, गाजियाबाद और मेरठ सहित कई शहरों में रेकी की थी। इन लोगों ने प्रमुख प्रतिष्ठानों और वाहन शोरूमों की तस्वीरें और वीडियो एकत्र साझा किए थे। सूत्रों के मुताबिक, अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान में बैठा हैंडलर गूगल लोकेशन स्क्रीन रिकॉर्डिंग साझा करता था, जिसके बाद आरोपी इन जगहों की तस्वीरें और वीडियो भेजते थे। गिरोह के सरगना साकिब को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर फंडिंग करता था।

असम में कांग्रेस का बड़ा दावा, हिमंत का पलटवार, जेल जाएंगे खेड़ा

खेड़ा बोले

हिमंत की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट सरमा ने कहा- 48 घंटे में करेंगे केस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

असम विधानसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है और राज्य का सियासी पारा अपने चरम पर पहुंच गया है। रैलियों और जनसभाओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर इतना तीखा हो गया है कि अब हमले व्यक्तिगत स्तर तक जा पहुंचे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर 3 देशों के पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार और चुनावी हताशा का परिणाम बताते हुए पूरी तरह खारिज किया है। सरमा ने कहा कि वे अगले 48 घंटों में पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर सीधा हमला बोलते हुए एक गंभीर और चौंकाने वाला दावा किया। खेड़ा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं, जो न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी बड़ा सवाल है।

रिनिकी के पास 3 पासपोर्ट, विदेशों में कारोबार : कांग्रेस

कांग्रेस ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुयान सरमा पर गंभीर सवाल उठाए। कांग्रेस ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास विदेशी पासपोर्ट हैं और उनके विदेशों में व्यावसायिक हित भी मौजूद हैं।

कांग्रेस में हताशा का दौर, बेबुनियाद आरोप लगा रही : सरमा

कांग्रेस के इन तीखे तेवरों पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी उतनी ही तेजी से पलटवार किया है। उन्होंने पवन खेड़ा के सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार और चुनावी हताशा करार देते हुए खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री सरमा ने एक्स पोस्ट में कहा, 'पवन खेड़ा की आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस पार्टी के भीतर गहरे असंतोष और घबराहट को दर्शाती है। जैसे-जैसे असम एक ऐतिहासिक जनादेश की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, इस तरह के उनके कमजोर होते जनाधार को ही उजागर करते हैं।

दर्ज कराएंगे मानहानि व आपराधिक केस

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मैं उनके द्वारा लगाए गए हर आरोप को पूरी तरह से खारिज करता हूं। ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं, जिनका मकसद असम की जनता को गुमराह करना है। सरमा ने कहा कि मेरी पत्नी और मैं अगले 48 घंटों के भीतर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

पवन खेड़ा ने मीडिया के सामने रखे दस्तावेज

1. यूएई का पासपोर्ट- जारी हुआ: 14 मार्च 2022, खत्म होगा: 13 मार्च 2027
2. एंटीगुआ-बारबुडा का पासपोर्ट- जारी हुआ: 26 अगस्त 2021, खत्म होगा: 25 अगस्त 2031
3. अरब रिपब्लिक ऑफ इजिप्ट का पासपोर्ट- जारी हुआ: 13 फरवरी 2022, खत्म होगा: 12 फरवरी 2029

रिनिकी की दुबई में दो प्रॉपर्टी

हिमंता बिस्वा सरमा जी की पत्नी की दुबई में 2 प्रॉपर्टी हैं, जिसकी पूरी जानकारी उपलब्ध है। इसमें साफ लिखा है- प्रॉपर्टी की मालिक रिंकी भुइयां सरमा विदेश में प्रॉपर्टी कई लोग रखते हैं, लेकिन जब पत्नी या पति चुनाव लड़ते हैं, तो अपने एफिडेविट में दिखाना होता है। लेकिन हिमंता बिस्वा सरमा के एफिडेविट में दुबई की दोनों प्रॉपर्टी का कोई जिक्र नहीं है। सवाल है- हिमंता ने अपनी पत्नी की दुबई वाली प्रॉपर्टी को एफिडेविट में क्यों नहीं दिखाया?

दो मुस्लिम देशों के कैसे रखे पासपोर्ट

पवन खेड़ा ने कहा कि असम की जनता पूछ रही है कि हिमंता बिस्वा सरमा की पूरी राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, लेकिन उनकी पत्नी दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट रखती हैं, कैसे? भारत के कानून के हिसाब से आप दोहरी नागरिकता नहीं रख सकते, तो क्या रिंकी भुइयां सरमा भारत का पासपोर्ट भी रखती हैं? क्या देश के गृहमंत्री को ये जानकारी थी कि हिमंत सरमा की पत्नी 3 पासपोर्ट रखती हैं?

फैसला सुरक्षित रखने के बाद अपनी पिछली भूमिका का पता चला

कभी थे अपीलकर्ता के वकील, इसलिए सुप्रीम कोर्ट जज खुद सुनवाई से हुए अलग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने एक मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया है। इस मामले में शीर्ष अदालत ने पिछले महीने फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने यह कदम तब उठाया, जब उनके संज्ञान में आया कि वह पहले इस मामले में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हो चुके थे। न्यायमूर्ति विश्वनाथन को 19 मई, 2023 को सीधे बार से पदोन्नत कर सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया था।

यह है अलग होने का कारण

अप्रैल 2009 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया था और पदोन्नति से पहले वह प्रमुख वकीलों में शामिल थे। अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर इस मामले की सुनवाई एक अप्रैल को न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने की थी।

मामला संज्ञान में आते ही लिया फैसला

पीठ ने कहा कि इस मामले की अंतिम सुनवाई हुई थी और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। फैसला सुरक्षित रखने के बाद न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन के संज्ञान में आया कि वह इस मामले में मुख्य कर्जदार के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में अपीलकर्ता के वकील के रूप में पेश हुए थे।

सबरीमाला मामले की सुनवाई कल से शुरू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों में और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई सात अप्रैल से शुरू करेगी। ज्ञात हो कि सितंबर 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को केरलम के सबरीमाला स्थित अय्यप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था।

9 सदस्यीय पीठ में शामिल न्यायमूर्ति

सुप्रीम कोर्ट की सात अप्रैल की वाद सूची के अनुसार नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति आगस्टीन जार्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची शामिल होंगे।

झारखंड में हादसा

धनबाद में गैस लीक होने से 3 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

एजेंसी ▶▶| धनबाद

झारखंड के धनबाद जिले में गैस लीक होने से हुए हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि गैस कटर का सिलेंडर फटने से ये हादसा हुआ है। वहीं, सिलेंडर फटने के बाद इलाके में गैस फैल गई, जिसके चलते लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। चार लोगों को सांस संबंधी समस्याओं के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कबाड़ चोरी के दौरान दुर्घटना होने की आशंका : आशंका जताई जा रही है कि यह घटना कबाड़ चोरी के दौरान हुई। मुनीडीह थाना प्रभारी मणिका तिवारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ लोग लोहे का कबाड़ चोरी करने के लिए पहुंचे थे। पुलिस को शक है कि उन्होंने एक भरे हुए गैस सिलेंडर को काट दिया, जिससे गैस लीक होने लगी।

घायलों का चल रहा इलाज

धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, घायलों का शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल के अधीक्षक दिनेश कुमार गिंदोरिया ने बताया कि 5 लोगों को अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा कि दो लोगों को मृत अवस्था में लाया गया, जबकि एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।

इतिहास रचने की दहलीज पर आर्टेमिस 2! टूटने वाला है 'अपोलो 13' का 56 साल पुराना रिकॉर्ड

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड टूटने वाला है। नासा का आर्टेमिस-2 मिशन तेजी से चांद की तरफ बढ़ रहा है। सोमवार (6 अप्रैल) को यह इंसान के इतिहास में धरती से सबसे ज्यादा दूरी तय करने वाला मिशन बन जाएगा। यह मिशन 1970 में 'अपोलो-13' द्वारा बनाए गए उस रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जो पिछले 56 सालों से कोई नहीं छू पाया था। जब यह नया रिकॉर्ड बन रहा होगा, तब आर्टेमिस 2 मिशन का स्पेसक्राफ्ट चांद के पिछले हिस्से की तरफ होगा।

कितनी दूर जाएंगे ये यात्री?

नासा के अनुसार, आर्टेमिस-2 के चारों एस्ट्रोनॉट्स रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हेंसन धरती से 2,52,757 मील (लगभग 4,06,773 किलोमीटर) की अधिकतम दूरी तक जाएंगे। 1970 में अपोलो-13 के एस्ट्रोनॉट्स धरती से 2,48,655 मील (4,00,171 किलोमीटर) की दूरी तक पहुंचे थे। वह एक इमरजेंसी स्लिंगशॉट था, लेकिन आर्टेमिस-2 इसे जानबूझकर पार करने वाला है। इस मिशन में स्पेसक्राफ्ट चांद के डार्क साइड के ऊपर से गुजरेगा, जहां आज तक कोई इंसान नहीं पहुंचा है।

इतनी दूर जाने का असली मकसद क्या है?

आर्टेमिस-2 इतनी दूर सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ने के लिए नहीं जा रहा है। इसके पीछे कई ठोस वैज्ञानिक कारण हैं। नासा यह देखना चाहता है कि इतनी दूर जाने पर एस्ट्रोनॉट्स और स्पेसक्राफ्ट के सिस्टम पर अंतरिक्ष के विकिरण का क्या असर पड़ता है? इतनी लंबी दूरी से पृथ्वी पर डेटा भेजना और सिग्नल पाना कितना आसान रहने वाला है। इसके साथ ही स्पेसक्राफ्ट जितनी दूर जाकर मुड़ेगा, उसे वापसी के लिए चांद के गुरुत्वाकर्षण से उतनी ही अच्छी रफ्तार मिलेगी।

वापसी का रास्ता

चांद के पीछे से चक्कर लगाने के बाद, ओरियन यान 'फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी' का इस्तेमाल करके खुद-ब-खुद पृथ्वी की ओर मुड़ जाएगा। इसके बाद 10 अप्रैल को यह स्पेसक्राफ्ट प्रशांत महासागर में गिरेगा, जिससे 56 साल पुराने रिकॉर्ड की जगह एक नया 'आर्टेमिस रिकॉर्ड' दर्ज हो जाएगा।

क्यों है यह सफर इतना खास?

यह पहली बार होगा, जब इंसान अपनी 'होम प्लैनेट' यानी पृथ्वी से इतनी दूर जाएगा। सोमवार को यह स्पेसक्राफ्ट चांद की सतह से करीब 4,000 से 6,000 मील की ऊंचाई पर होगा, जहां से एस्ट्रोनॉट्स चांद के दक्षिणी ध्रुव की शानदार तस्वीरें लेंगे। इस मिशन को 'फ्री रिटर्न ट्रैजेक्टरी' पर सेट किया गया है। इसका मतलब है कि अगर इंजन में कोई गड़बड़ी भी हो जाए, तो चांद का गुरुत्वाकर्षण खुद-ब-खुद जहाज को खींचकर वापस धरती की ओर फेंक देगा।

2030 तक चांद पर इंसानों को उतारने की तैयारी में चीन

बीजिंग। एक बार फिर से स्पेस की रेस शुरू हो गई है। इस बार मैदान में अमेरिका और चीन आमने-सामने मुकाबला करने की योजना बना रहे हैं। जहां नासा 2028 तक इंसानों को दोबारा चांद पर उतारने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, तो वहीं, चीन ने भी घोषणा कर दी है कि वह 2030 तक चांद पर अपना झंडा गाड़ देगा। इसके लिए चीन लनयू नाम का एक खास लैंडर और शक्तिशाली रॉकेट बना रहा है। इसकी मदद से चीन 2030 तक अपने एस्ट्रोनॉट्स (जिन्हें वे 'टायकोनॉट्स' कहते हैं) को चांद की सतह पर उतार देगा. यह खबर सुनते ही अमेरिका के कान खड़े हो गए हैं, क्योंकि अब असली मून रेस शुरू हो चुकी है। फिलहाल अभी दुनिया नासा के आर्टेमिस-2 मिशन को देख रही है। चीन और अमेरिका के बीच होने वाली यह जंग काफी रोमांचक होने वाली है।

इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन

चीन की स्पेस एजेंसी का लक्ष्य बहुत साफ है। वे अपने शक्तिशाली रॉकेट लॉन्ग मार्च 10 के जरिए मेंगझोउ स्पेसक्राफ्ट को चांद की ऑर्बिट में भेजेंगे। यहां से लनयू लैंडर अलग होकर चांद की जमीन पर उतरेगा। इस मिशन में चीन का इरादा सिर्फ जाकर वापस आना नहीं है। वह 2035 तक रूस के साथ मिलकर चांद पर एक 'इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन' बनाना चाहता है। इस स्टेशन को बिजली देने के लिए चीन वहां एक छोटा न्यूक्लियर रिएक्टर भी लगा सकता है, जिससे अंधेरे में भी काम चलता रहे।

ड्रैगन का नासा को टक्कर देने वाला मेगा प्लान

क्या है चीन का लनयू' लैंडर?

चीन ने अपने मून लैंडर का नाम लनयू रखा है। यह लैंडर एस्ट्रोनॉट्स (जिन्हें वे 'टायकोनॉट्स' कहते हैं) के लिए चांद की ऑर्बिट से सतह तक जाने का जरिया बनेगा। यह न केवल उनके रहने का ठिकाना होगा, बल्कि एक पावर स्टेशन के रूप में भी काम करेगा. चीन ने हेबेई प्रांत में चांद जैसी नकली सतह बनाकर इस लैंडर का टेस्ट भी शुरू कर दिया है।

रोबोटिक मिशनों से मिल रही मदद

चीन के चांग'ई मिशनों ने इस चांद पर इंसान ले जाने वाले मिशन की नींव रखी है। जून 2024 में चांग'ई-6 ने इतिहास रचा, जब वह चांद के पिछले हिस्से से मिट्टी के नमूने लेकर वापस लौटा। अब आने वाले समय में चांग'ई-7 और 8 मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों की तलाश करेंगे, जिससे जब इंसान वहां पहुंचें, तो उनके पास जीवित रहने के लिए जरूरी डेटा मौजूद हो।

अमेरिका बनाम चीन: कौन मारेगा बाजी?

नासा जहां 2028 तक इंसानों को चांद पर उतारने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, वहीं चीन 2030 का टारगेट सेट कर चुका है। यह मुकाबला अब सिर्फ विज्ञान का नहीं, बल्कि स्पेस सुपरपावर बनने की होड़ का है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि आने वाले कुछ सालों में चांद पर इंसानी बस्तियों की हलचल बढ़ सकती है। ड्रैगन की यह रफ्तार बता रही है कि वह अंतरिक्ष की रेस में किसी से पीछे नहीं रहना चाहता. अब देखना यह है कि चांद पर सबसे पहले कौन अपना बेस बनाता है। आपको बता दें कि इससे पहले 1960 के दशक की 'स्पेस रेस' रूस और अमेरिका के बीच थी। जब नील आर्मस्ट्रांग ने चांद पर अपना पहला कदम रखा था।

पानी की खोज और मंगल का सपना

चीन के पिछले रोबोटिक मिशन (चांग'ई-6) ने पहले ही चांद के दूरदराज वाले हिस्से से मिट्टी लाकर इतिहास रच दिया है। अब अगले मिशन (चांग'ई-7 और 8) दक्षिणी ध्रुव पर जमी हुई बर्फ में पानी की तलाश करेंगे. चीन का मानना है कि चांद तो बस एक स्टॉप है, असली मंजिल तो मंगल ग्रह (**Mars**) पर इंसानों को बसाना है।

धरती पर ही बना लिया 'नकली चांद'

इस मिशन की सफलता के लिए चीन के इंजीनियरों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने हेबेई प्रांत में एक ऐसी जगह बनाई है, जो बिल्कुल चांद जैसी दिखती है। वहां नकली क्रेटर (गड्ढे), पत्थर और चांद की मिट्टी जैसी सतह तैयार की गई है। यहां लैंडर के उतरने और चलने का अभ्यास किया जा रहा है, जिससे असली मिशन के वक्त कोई चूक न हो।

बहरेपन का परमानेंट इलाज!

बस एक इंजेक्शन और गूंजने लगी दुनिया
वैज्ञानिकों ने जीन थेरेपी से रचा इतिहास

नई दिल्ली। मेडिकल साइंस की दुनिया से एक ऐसी खबर आई है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं लग रही है। दुनिया भर में करोड़ों लोग, जो जन्म से या किसी बीमारी की वजह से सुन नहीं सकते थे, उनके लिए अब उम्मीद की एक नई किरण जगी है। वैज्ञानिकों ने जीन थेरेपी के इस्तेमाल से अनुवांशिक बहरेपन को जड़ से खत्म करने की दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह खोज उन लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जो अब तक सिर्फ इशारों की भाषा या महंगे हियरिंग एड के भरोसे बैठे थे। आइए जानते हैं कि विज्ञान ने यह असंभव सा दिखने वाला काम कैसे संभव कर दिखाया।

कैसे हुआ यह चमत्कार: वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च में उन मरीजों को चुना था, जो एक खास जेनेटिक गड़बड़ी की वजह से सुन नहीं पाते थे। हमारे कान के अंदर कुछ बारीक नसें और सेल्स होते हैं, जो आवाज को दिमाग तक पहुंचाते हैं। जब जीन में खराबी होती है, तो ये सेल्स काम करना बंद कर देते हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक सुरक्षित वायरस के जरिए स्वस्थ जीन को एक इंजेक्शन की मदद से मरीज के कान के अंदरूनी हिस्से में पहुंचाया। जैसे ही यह स्वस्थ जीन अपनी जगह पर पहुंचा, उसने कान के खराब सेल्स को फिर से जिंदा कर दिया। महज कुछ हफ्तों के अंदर ही मरीजों को आवाजें सुनाई देने लगीं।

10 मरीजों पर सफल ट्रायल

इस रिसर्च में शामिल सभी 10 मरीजों पर यह थेरेपी काम कर गई। नेचर मेडिसिन में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो मरीज बचपन से खामोश दुनिया में जी रहे थे, वे अब न सिर्फ बातें सुन पा रहे हैं, बल्कि संगीत का भी आनंद ले रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह इलाज पूरी तरह सुरक्षित है और इसके कोई गंभीर साइड इफेक्ट्स भी नहीं देखे गए हैं।

क्या है आगे की राह?

हालांकि अभी यह शुरुआती ट्रायल है, लेकिन इसके नतीजे इतने शानदार हैं कि वैज्ञानिक इसे मेडिकल इतिहास का एक 'टर्निंग पॉइंट' मान रहे हैं। आने वाले समय में इस थेरेपी का बड़े पैमाने पर टेस्ट किया जाएगा।

बधिर बच्चों के लिए 'संजीवनी'

यह तकनीक उन बच्चों के लिए सबसे ज्यादा असरदार मानी जा रही है, जो जन्मजात बहरेपन का शिकार होते हैं। अगर कम उम्र में ही यह इंजेक्शन दे दिया जाए, तो बच्चा सामान्य बच्चों की तरह बोलना और सुनना सीख सकता है। अब तक ऐसे मामलों में कोक्लियर इम्प्लांट ही एकमात्र रास्ता था, जिसमें सर्जरी की जरूरत पड़ती थी। लेकिन, अब सिर्फ एक इंजेक्शन ही काफी हो सकता है।

सालों के संघर्ष की ये कहानी दिल छू लेगी!

कभी करती थी सफाई का काम, अब उसी अस्पताल में डॉक्टर बनकर लौटेगी महिला

न्यूयार्क। जिंदगी कभी-कभी ऐसे मोड़ लेती है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। एक समय जो काम सिर्फ गुजारा करने के लिए किया जाता है, वही आगे चलकर सपनों की शुरुआत बन जाता है। ऐसी ही दिल छू लेने वाली कहानी है एक महिला की, जिसने अस्पताल में सफाई का काम करते-करते डॉक्टर बनने का सपना देखा और उसे सच भी कर दिखाया। दरअसल,32 साल की शाय टेलर-एलेन ने मात्र 18 साल की उम्र में अस्पताल में क्लीनर (सफाई कर्मचारी) के तौर पर काम शुरू कर दिया था। उस समय उनका मकसद सिर्फ अपना खर्च चलाना था। ना तो उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना देखा था और न ही उन्हें यह पता था कि वह आगे क्या करेंगी। धीरे-धीरे उन्होंने पढ़ाई जारी रखी और साथ ही अस्पताल में काम भी करती रहीं। जिंदगी अपनी रफ्तार से चल रही थी, लेकिन एक घटना ने सब कुछ बदल कर रख दिया।

मां की बीमारी बनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट

इसी दौरान उनकी मां की तबीयत खराब रहने लगी। बार-बार अस्पताल जाने के बावजूद डॉक्टर उनकी बीमारी का सही कारण नहीं समझ पा रहे थे। शे को महसूस हुआ कि कुछ गंभीर समस्या है, जिसे बार- बार नजर अंदाज किया जा रहा है। उन्हें अपनी मां पर पूरा भरोसा था कि वह बेवजह बीमारी का बहाना नहीं बना सकतीं।

एक ईमेल ने बदल दी पूरी कहानी

अस्पताल में काम करने की वजह से शे को वहां के कई ऑफिस तक पहुंच थी। उन्होंने हिम्मत करके एक सीनियर अधिकारी को ईमेल लिखा और अपनी मां की हालत के बारे में बताया। हैरानी की बात यह रही कि उसी दिन उन्हें जवाब मिला। अधिकारी ने उनकी बात को गंभीरता से लिया और डॉक्टरों की टीम से दोबारा जांच करवाई। कुछ ही दिनों में पता चला कि उनकी मां को वोकल कॉर्ड डिसफंक्शन है। सही इलाज मिलने के बाद उनकी हालत में तेजी से सुधार हुआ।

शे को यकीन नहीं होता यह सब सच है

कुछ साल बाद उनकी मेहनत रंग लाई। शे का चयन याले हास्पिटल में एनेस्थिसियोलॉजी रेजिडेंसी के लिए हो गया। यह वही अस्पताल है, जहां उन्होंने 10 साल सफाई का काम किया था। अब वह वहीं डॉक्टर के रूप में लौटेंगी। अब जब शे पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें खुद यकीन नहीं होता कि यह सब सच है। अगर उनकी मां की बीमारी वाला समय नहीं आता तो शायद वह कभी डॉक्टर बनने के बारे में सोचती भी नहीं।

खंडवा की इस अनोखी परंपरा में लाखों की लग रही बोली

भगवान के माता-पिता बनने के लिए लगी लाइन!

खंडवा। यहां आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव अपनी अनोखी परंपराओं के कारण चर्चा में है, जहां श्रद्धालु भगवान के माता-पिता बनने के लिए उत्साहित हैं। जैन समाज के इस खास आयोजन में प्राण-प्रतिष्ठा और धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य आयोजन किया जाता है। इस अवसर को पाने के लिए लोग पर्ची और बोली के माध्यम से भाग लेते हैं और कई बार लाखों रुपएतक की बोली लगाई जाती है। यह परंपरा केवल आस्था ही नहीं, बल्कि त्याग और समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। बजरंग चौक स्थित 45 साल पुराने महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव होने जा रहा है। यह आयोजन मुनिश्री आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में होगा। इस दौरान भगवान की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाती है और उन्हें पूजनीय स्वरूप में स्थापित किया जाता है।

क्यों खास है ये परंपरा?

इस आयोजन में भगवान के जीवन के पांच प्रमुख कल्याणकों का वर्णन होता है। साथ ही इंद्र-इंद्राणी बनने का भी मौका मिलता है। यह परंपरा सालों से चली आ रही है और लोगों के लिए इसे पाना किसी बड़े सौभाग्य से कम नहीं माना जाता।पूरे निमाड़ क्षेत्र में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है और लोग बढ़-चढ़कर इसमें भाग ले रहे हैं।

भगवान के माता-पिता बनने का मौका

इस आयोजन की सबसे खास बात यही है कि इसमें श्रद्धालुओं को भगवान के माता-पिता बनने का अवसर मिलता है। इसके लिए पर्ची और बोली के जरिए चयन किया जाता है। कई लोग पहले से इच्छा जताते हैं, लेकिन अंतिम फैसला परंपरा और गुरु के अनुसार होता है।

लाखों की बोली, लेकिन आस्था सबसे ऊपर

इस मौके के लिए कई बार लाखों रुपए तक की बोली लगाई जाती है। लेकिन, समाज के लोग मानते हैं कि यह सिर्फ पैसे का नहीं, बल्कि आस्था और त्याग का विषय है। इस भूमिका को निभाने के लिए व्यक्ति को अपने जीवन में कई बदलाव करने पड़ते हैं।

खुदाई में मिला 12 हजार साल पुराना पासा, ग्रुप बनाकर खेलते थे जुआ

न्यूयार्क। एक नई पुरातात्विक रिसर्च में शॉकिंग खुलासा हुआ है कि नेटिव अमेरिकंस (अमेरिका के मूल निवासी) ने 12,000 साल से भी पहले पासे बनाए और जुआ खेला। ये सबूत दुनिया के सबसे पुराने जुए के खेल के हैं, जो ओल्ड वर्ल्ड (यूरोप, एशिया आदि) के ब्रॉन्ज एज पासों से करीब 6,000 साल पहले के हैं।

कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के पीएचडी छात्र रॉबर्ट जे. मैडेन की यह स्टडी अमेरिकन एंटीक्विटी जर्नल में प्रकाशित हुई है। मैडेन ने सैकड़ों पुरातात्विक वस्तुओं की जांच की और 565 डायग्नोस्टिक प्लस 94 प्रोबेबल पासों की पहचान की। इनमें

से सबसे पुराने तीन पासे व्योमिंग, कोलोराडो और न्यू मेक्सिको के फॉल्सम संस्कृति स्थलों से मिले हैं, जो लगभग 12,900 साल पुराने हैं।

जुआ खेलने को करते थे यात्रा

फॉल्सम लोग आखेटक-संग्राहक थे। वे खास तरह के पत्थर के औजार के लिए प्रसिद्ध हैं। ये लोग सुंदर और दुर्लभ सामग्री जैसे फ्लिंट और चैल्सेडोनी पसंद करते थे और दूर-दूर तक यात्रा करते थे। शोधकर्ताओं का मानना है कि जुए के खेल इन दुर्लभ सामग्रियों के आदान-प्रदान में मदद करते थे। ग्रुप बनाकर खेलने से सामाजिक संबंध भी मजबूत होते थे।

पासे कैसे थे?

ये प्राचीन पासे हड्डी या अन्य सामग्री से बने होते थे।ज्यादातर दो तरफा होते थे, जिन्हें फेंकने पर यादृच्छिक परिणाम मिलता था। बाद के काल में पासों के आकार और डिजाइन विकसित होते गए। मैडेन ने एक नई चेकलिस्ट बनाकर पुरानी खुदाई वाली वस्तुओं को पासा मानने का तरीका विकसित किया। इससे पहले पुरातत्वविद् इन वस्तुओं को अन्य औजार समझते थे। यह खोज बताती है कि संभावना की समझ और जुए के खेल आइस एज के अंत में ही विकसित हो चुके थे। पुराने विश्व में सबसे पुराने पासे करीब 5,000-6,000 साल पुराने माने जाते थे, लेकिन अब अमेरिका के नेटिव लोगों ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

जुआ खेलने का तरीका : प्राचीन नेटिव अमेरिकंस ग्रुप बनाकर खेलते थे। पासे फेंककर स्कोर बनाते थे। कुछ खेलों में हारने वाले को दांव पर लगाई चीजें गंवानी पड़ती थीं। बाद के ऐतिहासिक काल में नेटिव अमेरिकन संस्कृतियों में जुआ बहुत लोकप्रिय था और कभी-कभी हारने वाले गुलामी तक चले जाते थे। लेकिन यह खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम भी था।

स्टारलिंक को टक्कर देगा इसरो-यूटेलसैट का नया मिशन

दुनिया ने माना इसरो का लोहा! अब फ्रांस के सैटेलाइट लॉन्च करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष अभियान अब केवल चांद और मंगल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत दुनिया का 'इंटरनेट हब' बनने की दिशा में एक और बड़ी छलांग लगा चुका है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और फ्रांसीसी सैटेलाइट दिग्गज यूटेलसैट के बीच हुए एक नए समझौते ने वैश्विक सैटेलाइट इंटरनेट की जंग में भारत की स्थिति को और मजबूत कर दिया है।

अंतरिक्ष की दुनिया में अब भारत भी एक बड़ा प्लेयर बनकर तेजी से उभर रहा है। दिनोंदिन भारत की साख लगातार बढ़ रही है। जहां एक तरफ पूरी दुनिया की नजरें नासा के 'आर्टेमिस-2' पर हैं, वहीं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने एक और बड़ा धमाका कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो अब सिर्फ रॉकेट लॉन्च करने वाली संस्था नहीं रही, बल्कि वह दुनिया का एक भरोसेमंद स्पेस पार्टनर बन चुकी है। यूरोपीय सैटेलाइट दिग्गज यूटेलसैट ग्रुप ने अपने 'वनवेब' सैटेलाइट इंटरनेट समूह को और मजबूत करने के लिए इसरो के साथ एक नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। यह समझौता साबित करता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उपजे वैश्विक संकट में अब भारत दुनिया के लिए सबसे सुरक्षित और किफायती लॉन्च पार्टनर बनकर उभरा है। इसके बाद अब भारत ग्लोबल सैटेलाइट इंटरनेट मार्केट में एलन मस्क को कड़ी टक्कर देने जा रहा है।

क्या है वनवेब प्रोजेक्ट?

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की तरह ही वनवेब भी अंतरिक्ष से पूरी दुनिया में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना चाहता है। इसके लिए उन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में सैकड़ों छोटे सैटेलाइट्स का एक जाल बिछाना है। इसके लिए उन्होंने इसरो का साथ लिया है। अब इसरो अपने सबसे भारी रॉकेट एलवी3 (जिसे पहले जीएसएलवी एसके-3) कहा जाता था) के जरिए इन सैटेलाइट्स को स्पेस में सही ऑर्बिट में पहुंचाएगा।

एलन मस्क को सीधी चुनौती

वनवेब (जिसमें भारत के सुनील भारती मित्तल की बड़ी हिस्सेदारी है) और यूटेलसैट की यह डील सीधे तौर पर स्पेसएक्स के एकाधिकार को चुनौती दे रही है क्योंकि, अभी तक 'स्पेस इंटरनेट' के मामले में एलन मस्क की कंपनी सबसे आगे है। ऐसे में इसरो के साथ इस लॉन्चिंग में कंपनी को कम बजट में ज्यादा फायदा मिल रहा है।

भारत को क्या होगा फायदा?

इस डील से भारत को करोड़ों डॉलर का फायदा होगा. रूस के सोयुज रॉकेट पर पाबंदी के बाद, दुनिया की बड़ी कंपनियां अब चीन के बजाय भारत पर भरोसा जता रही हैं। वनवेब के सक्रिय होने से भारत के सुदूर गांवों, पहाड़ों और रेगिस्तानों में भी फाइबर केबल बिछाए बिना हाई-स्पीड इंटरनेट मिल सकेगा।

अंतरिक्ष से ऐसी दिखती है हमारी पृथ्वी, नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने भेजी तस्वीरें

नासा। पृथ्वी जहां हम-आप रह रहे हैं, वह कितनी खूबसूरत है, इस तस्वीर को देखकर आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं। नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने यह तस्वीर साझा की है। गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। शुक्रवार को वह पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकला. अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करने के बाद आर्टेमिस-2 मिशन चांद पर पहुंचेगा। अर्थ आर्बिट से बाहर निकलने के बाद शुक्रवार को आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की दो-तीन तस्वीरें भेजी. पृथ्वी की इन तस्वीरों को नासा के ऑफिसियल एक्स अकाउंट से साझा किया गया है।

गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है

नीले-भूरे रंगों से जगमगा रही पृथ्वी

नासा ने अंतरिक्ष से ली गई पूरी पृथ्वी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा- हम अपने ग्रह को पूरी तरह से देख पा रहे हैं, जो नीले और भूरे रंगों की शानदार रोशनी से जगमगा रहा है। यहां तक कि एक हरी ऑरोरा (ध्रुवीय ज्योति) भी इसके वातावरण को रोशन कर रही है। यह हम ही हैं, हम सब मिलकर जो अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की ओर बढ़ते हुए देख रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर साझा करते हुए नासा ने लिखा- हमारे अपने ग्रह की कुछ शानदार, हाई-रिजॉल्यूशन वाली नई तस्वीरें हमारे पास हैं। हम सभी ओरियन कैप्सूल की खिड़की से अपने आर्टेमिस-II अंतरिक्ष यात्रियों को देख रहे हैं, जो अपनी चाँद की यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। नासा की ओर से साझा की गई इन दोनों तस्वीरों में पृथ्वी नीले-भूरे रंगे की रोशनी से रंगी नजर आ रही है। खुले नजरों से हम पृथ्वी पर नदी, मैदान, पहाड़, जंगल, समुंद्र देखते हैं, लेकिन अंतरिक्ष से हमारा घर नीले-भूरे रंग के नायाब फुटबॉल का नजर

आर्टेमिस-2 नासा का एक 'U-टर्न' मिशन

मालूम हो कि आर्टेमिस-2 एक 'U-टर्न' मिशन है। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री चांद के पीछे से चक्कर लगाकर सीधे धरती की ओर वापस लौटेंगे। इस दौरान वे करीब 4 लाख किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। अब ओरियन कैप्सूल अपनी करीब 3.84 लाख किलोमीटर लंबी यात्रा पर निकल चुका है।

चंद्रमा के साथ-साथ मंगल के लिए भी खास है यह मिशन

नासा ने कैनेडी स्पेस सेंटर 'आर्टेमिस-II मिशन' को लॉन्च किया है। अमेरिकी समय के अनुसार, शाम 6 बजकर 24 मिनट (भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 3:54 बजे) से यह मिशन शुरू हुआ. इस मून मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की परिक्रमा के लिए भेजा गया है। आर्टेमिस II भविष्य में चंद्रमा पर उतरने के साथ-साथ मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने जैसे अगले बड़े कदम का रास्ता साफ करेगा।